



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 120]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 8, 2011/ज्येष्ठ 18, 1933

No. 120]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 8, 2011/JYAISTHA 18, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अंतिम जाँच परिणाम

नई दिल्ली, 8 जून, 2011

(मध्यावधि समीक्षा)

विषय : चीन जन गण, जापान, कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाइलैंड तथा अमेरिका के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित स्टेनलेस स्टील के सभी श्रेणियों के 600 मि.मी. से 1250 मि.मी. तक चौड़ाई वाले कोल्ड रोल्ल्ड फ्लैट उत्पादों, जिन पर आगे कार्य करके 4 मि.मी. तक मोटाई में कोल्ड रोल्ल्ड (कोल्ड रिड्यूस्ड) किया गया है, पर लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के उत्पाद दायरे तक सीमित पाटनरोधी (मध्यावधि समीक्षा) जांच—अंतिम जांच परिणाम ।

पृष्ठभूमि

फा. सं. 15/16/2010-डीजीएडी.— समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 एवं समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन, संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) ने चीन जन गण, जापान, कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाइलैंड तथा अमेरिका के मूल के अथवा वहाँ से निर्यातित स्टेनलेस स्टील निर्मित कोल्ड रोल्ल्ड उत्पादों के आयात पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की संस्तुति करते हुए दिनांक 24 नवम्बर, 2009 की अधिसूचना सं. 14/6/2008-डी जी ए डी द्वारा अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे । और यतः सम्बद्ध वस्तुओं पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क दिनांक 20 फरवरी, 2010 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं० 14/2010-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था ।

2. मेसर्स जिन्दल स्टेनलेस लि०, नई दिल्ली ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष समय-समय पर यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 एवं समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी अथवा अतिरिक्त शुल्क का आकलन, संग्रहण एवं क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 के अनुसरण में चीन जन गण, जापान, कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, थाईलैंड एवं अमेरिका (जिन्हें एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलेस स्टील के सभी श्रेणियों के 600 मिमी से 1250 मिमी तक चौड़ाई वाले कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों, जिन पर आगे कार्य करके 4 मिमी तक मोटाई में कोल्ड रोल्ड (कोल्ड रिड्यूस्ड) किया गया है, पर लगाए गए निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क के उत्पाद दायरे तक सीमित पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत हेतु एक आवेदन प्रस्तुत किया है। आवेदक ने एक विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया है जिसमें निम्नलिखित आधारों पर समीक्षा का अनुरोध किया गया है:-

(क) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने मूल जांच में संबद्ध वस्तुओं की चौड़ाई को 1250 मिमी तक सीमित कर दिया था। तथापि सम्बद्ध वस्तुओं की चौड़ाई को 1250 मिमी तक सीमित करने में कोई छूट निधारित नहीं की गई थी। किसी भी इंजीनियरी उत्पाद का उत्पादन किसी छूट के बिना सही आयामों में नहीं किया जा सकता है।

(ख) मिल पर उत्पादित कॉयल की चदर किसी निश्चित कण्टूर के अनुरूप नहीं होती है और इसके किनारों में कटाव, पतलापन और क्षति जैसी अपूर्णताएं होंगी। अतः चौड़ाई ठीक-ठीक 1250 मिमी कदापि नहीं होगी बल्कि इसका उत्पादन उच्चतर चौड़ाई में किया जाएगा।

(ग) संस्तुतियों और तदनुरूप अधिसूचना में किसी प्रकार की छूट के अभाव में 1250 मिमी अथवा इससे कम चौड़ाई वाले उत्पादों को 1251 मिमी से 1300 मिमी चौड़ाई वाले उत्पाद घोषित किया जा रहा है और इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क से बचा जाता है।

(घ) काफी संख्या में ऐसी खेपें हैं जहां चौड़ाई 1251 मिमी अथवा अंतिम जांच परिणाम में निर्दिष्ट 1250 मिमी सीमा से मामूली तौर पर अधिक घोषित की गई है और इस प्रकार पाटनरोधी शुल्क से बचा गया है।

(ङ.) यहां तक कि स्वयं याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित 1250 मिमी की चौड़ाई में छूट + 50 मिमी तक है।

3. प्राधिकारी ने दिनांक 24 नवम्बर, 2009 के उपर्युक्त अंतिम जांच परिणाम और दिनांक 20 फरवरी, 2010 की उपर्युक्त सीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा अधिसूचित निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत करते हुए दिनांक 23 जून, 2010 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जो भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित की गई थी। समीक्षा उल्लिखित पाटनरोधी शुल्क के उत्पाद के दायरे तक सीमित है और इसमें उक्त अधिसूचनाओं के सीमित पहलुओं को शामिल किया गया है।

ख. प्रक्रिया

4. वर्तमान कार्यवाही में निम्नलिखित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:-

(i) प्राधिकारी ने दिनांक 23 जून, 2010 की जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रतियां अपने पास उपलब्ध सूचना के अनुसार सम्बद्ध देशों के उच्चायोग/दूतावासों, सम्बद्ध देशों के ज्ञात निर्यातकों, ज्ञात आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा घरेलू उद्योग को भिजवाई थीं। इस जांच के पक्षकारों को निर्धारित समय के भीतर अपना उत्तर प्रस्तुत करने और लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया गया था।

(ii) पाटनरोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उद्योग की ओर से प्रस्तुत आवेदन का अगोपनीय पाठ जांच शुरुआत अधिसूचना के साथ सम्बद्ध देशों के उच्चायोगों/दूतावासों एवं निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भिजवाया गया था:-

- 1) ऑटोकम्पू स्टेनलेस, फिनलैंड
- 2) थाइनॉक्स स्टेनलेस पब्लिक कंपनी लि., थाइलैंड
- 3) एलीगेनी टेक्नोलॉजीज इंकार्पोरेशन, पिट्सबर्ग
- 4) देबू इंटरनेशनल, कोरिया
- 5) एलजी इंटरनेशनल कार्पोरेशन, कोरिया
- 6) एस के नेटवर्क्स कं0 लि0, कोरिया
- 7) सैमसंग सी एंड टी कार्पोरेशन कोरिया
- 8) यीएह यूनाइटेड स्टील कार्पोरेशन (यूस्को), ताइवान
- 9) एससीनॉक्स एसए, स्पेन
- 10) यीएह माऊ कार्पोरेशन, ताइवान
- 11) असीनॉक्स मलेशिया एसडीएन, बीएचडी, मलेशिया
- 12) लियानजांग स्टेनलेस स्टील कार्पोरेशन, चीन जन गण
- 13) कोलम्बस स्टेनलेस (पीटीवाई) लि0, दक्षिण अपुका
- 14) शैजी ताइगांग स्टेनलेस स्टील कं0 लि0 (एसटीएस एस) चीन जन गण
- 15) टिस्को ट्रेडिंग (एचके) लि0, हांगकांग
- 16) टियानजिन ताइगांग टियांगुआन स्टेनलेस स्टील कं0 लि0, चीन जन गण
- 17) पॉस्को, कोरिया
- 18) पोस्टील, कोरिया
- 19) हुंडई कार्पोरेशन, कोरिया
- 20) थाइसिनक्रुप स्टेनलेस इंटरनेशनल, जर्मनी
- 21) आर्सेलर मित्तल स्टेनलेस (फ्रांस एवं बेल्जियम)

- 22) ऑल इंडिया स्टेनलेस स्टील इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन
- 23) द तमिलनाडु स्टेनलेस स्टील मर्चेन्ट्स एण्ड मैनुफैक्चरर्स एसोसिएशन
- 24) कर्नाटक स्टेनलेस स्टील ट्रेडर्स एण्ड इण्डस्ट्री एसोसिएशन
- 25) नॉन फेरस मेटल एसोसिएशन (कर्नाटक)
- 26) स्टेनलेस स्टील मर्चेन्ट एसोसिएशन
- 27) इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद
- 28) स्टेनलेस स्टील निर्यात वेलफेयर एसोसिएशन
- 29) मद्रास स्टील एजेन्सीज
- 30) मरुधर इंडस्ट्रीज
- 31) रामदेव मेटल मार्ट
- 32) रिलायंस स्टेनलेस स्टील
- 33) आईडीएमसी लिमिटेड
- 34) सिद्धिविनायक स्टील
- 35) विनोद कुकवेयर
- 36) मेटल ट्रेडिंग कार्पोरेशन
- 37) कुट्टु इंडस्ट्रीज
- 38) क्राफ्टवेयर्स (इंडिया) लिमिटेड
- 39) किंग मेटल वर्क्स
- 40) केवल इंटरप्राइजेस प्रा० लि०
- 41) प्रोसेस प्लांट एंड मशीनरी एसो. ऑफ इंडिया
- 42) शक्ति पम्प्स (इंडिया) लि०
- 43) सल्जर इंडिया लि०
- 44) मैनेटी मरेली एस के एच एग्जास्ट सिस्टम्स प्रा० लि०
- 45) पी एन एन जे इंड. प्रा. लि०
- 46) एम सी सी आई
- 47) शिवालिक फॉस्टनर्स प्रा० लि०

(iii) जांच शुरूआत अधिसूचना के बारे में निम्नलिखित हितबद्ध पक्षकारों ने उत्तर प्रस्तुत किए हैं :-

- 1) मेसर्स पॉस्को, कोरिया
- 2) मेसर्स आर्सीनॉक्स, स्पेन
- 3) मेसर्स नॉर्थ अमेरिकन स्टेनलेस, यू एस ए
- 4) मेसर्स आर्सीनॉक्स मलेशिया
- 5) मेसर्स कोलम्बस स्टेनलेस पी टी वाई लि०, दक्षिण अफ्रीका

- 6) मेसर्स ऑटोकुम्पु स्टेनलेस, थाईलैंड
- 7) मेसर्स थाइनॉक्स स्टेनलेस, थाईलैंड
- 8) मेसर्स ऑल इंडिया स्टेनलेस स्टील इम्पोर्टर्स एसोसिएशन
- 9) आई एम डी सी लिमिटेड
- 10) मरूधर इण्डस्ट्रीज
- 11) मद्रास स्टील एजेन्सीज
- 12) आर्सेलर मित्तल
- 13) ऑल इंडिया स्टेनलेस स्टील इण्डस्ट्रीज एसोसिएशन

(iv) विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय पाठ को प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ एक सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया था ।

(v) घरेलू उद्योग की संगत सूचना का सत्यापन किया गया है ।

(vi) हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए प्राधिकारी ने दिनांक 10.1.11 को एक सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन किया था जिसमें घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था । मौखिक सुनवाई के बाद हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लिखित निवेदन तथा उत्तर प्रस्तुत किए गए थे । निर्दिष्ट प्राधिकारी का पदभार अन्य अधिकारी द्वारा ग्रहण किए जाने के कारण सार्वजनिक सुनवाई का आयोजन दिनांक 14 मार्च, 2011 को पुनः किया गया था । इसके पश्चात हितबद्ध पक्षकारों द्वारा लिखित निवेदन तथा उत्तर प्रस्तुत किए गए थे । प्रासंगिक सीमा तक इसका विवेचन इस जांच परिणाम में किया गया है ।

(vii) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की जांच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संदर्भ में की गई थी । जहां आवश्यक था, प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर गोपनीयता से संबंधित दावों को स्वीकार किया और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा गया एवं इसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया गया । जहां कहीं संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया था ।

(viii) पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अंतर्गत मौजूदा परिणामों हेतु अनिवार्य तथ्यों/आधार का प्रकटन ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को जारी किया गया था और उनसे प्राप्त टिप्पणियों पर अंतिम परिणामों में समुचित ढंग से विचार किया गया है।

(ix) इस अधिसूचना में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमानुसार प्राधिकारी द्वारा गोपनीय समझी गई सूचना को द्योतित करता है।

विचाराधीन उत्पाद

5. मूल जाँच में विचाराधीन उत्पाद सभी सिरीज के स्टेनलेस स्टील के 600 मि.मी. से 1250 मि.मी. तक की चौड़ाई और 4 मि.मी. तक की मोटाई वाले कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद जिन पर कोल्ड रोल्ड (कोल्ड रिड्यूज्ड) से आगे कार्य नहीं किया गया, थे। तथापि निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल नहीं किया गया था:-

(क) मै0 थायसेंक्रप्प स्टेनलेस इंटरनेशनल, जर्मनी द्वारा आपूर्त ग्रेड एआईएसआई 420 हाई कार्बन (0.28%-0.40%), ग्रेड 420, ग्रेड 430 बीए और ग्रेड एआईएसआई 441 तथा ग्रेड एआईएसआई 443।

(ख) ड्युप्लेक्स स्टेनलेस स्टील ग्रेड 2205 (एस31803), 2304 (एस32304), ईएन 1.4835, 1.4547, 1.4539, 1.4438, 1.4318 और 1.4833 तथा फेरिटिक ग्रेड ईएन 1.4509 और 1.4512।

(ग) क्रोमियम-निकेल मैंगनीज - कॉपर ऑस्टेनिटिक स्टेनलेस स्टील युक्त लो निकेल वाली वस्तुओं के संबंध में भारतीय पेटेंट सं. 223848 के तहत आपूर्त उत्पाद जो ग्रेड वाईयू1, और वाईयू4 को दर्शाते हैं और चीनी ताइपेई (ताइवान) के मै0 येह युनाइटेड स्टील कोर (युस्को) द्वारा उत्पादित एवं आपूर्त हैं।

6. विचाराधीन उत्पाद में स्टेनलेस स्टील कौयल, शीटें तथा उपर्युक्त विवरण वाली प्लेटें शामिल हैं। संबद्ध वस्तुओं का उपयोग श्वेत वस्तुओं, प्रसंस्कृत उपकरण, डेयरी उपकरण, ऑटोमोटिव संघटकों, रेल कार्ट, मेट्रो कोच, वास्तुकला, भवन निर्माण आदि के लिए किया जाता है।

7. संबद्ध वस्तुएं सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 72 के तहत उपशीर्ष सं. 7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 और 7219.90 के अंतर्गत वर्गीकृत हैं। यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से मौजूदा जाँच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

8. मौजूदा समीक्षा जाँच मूल जाँच में ऊपर उल्लिखित विचाराधीन उत्पाद की 1250 मि.मी. तक की चौड़ाई संबंधी अधिकतम सीमा के विरुद्ध (+ 50 मि.मी.) की सहिष्णुता सीमा निर्धारित करने की आवश्यकता की जाँच करने के प्रयोजन तक सीमित है।

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोध

9. निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

(क) नियम 23 के अंतर्गत किसी जाँच के दायरे में ऐसे उत्पाद के संबन्ध में शुल्क की सिफारिश शामिल नहीं है जिन पर मूल जाँच में कोई शुल्क अधिरोपित नहीं किया गया है। अतः नियम 23 के अंतर्गत डीजीएडी को मूल जाँच में शामिल न किए गए उत्पादों पर शुल्क की सिफारिश करने का कोई अधिकार नहीं है।

(ख) उन्होंने यह सूचित किया है कि नियमानुसार ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जिसके तहत सीमित अथवा क्षेत्राधिकार अथवा सहिष्णुता संबंधी जांच या केवल परिवर्तित परिस्थितियों की जांच की जा सके।

(ग) क्षेत्राधिकार संबंधी जाँच अधिकतम सीमा/कटौती तक सीमित है और कानून डीजीएडी को मध्यावधि समीक्षा जाँच में उत्पाद के दायरे में विस्तार करने का अधिकार नहीं देता है। सहिष्णुता सीमा में वृद्धि का अर्थ उत्पाद के दायरे में वृद्धि करना होगा।

(घ) वे यह मानकर चल रहे हैं कि जैसाकि याचिकाकर्ता द्वारा ओराप लगाया गया है, माननीय निर्दिष्ट प्राधिकारी ने अंतिम जांच परिणाम में वास्तव में त्रुटि की है और वह स्वयं याचिकाकर्ता द्वारा माननीय सीईएसटीएटी के समक्ष दायर अपील, जो सुनवाई हेतु लंबित है, के अध्यक्ष है।

(ङ) घरेलू उद्योग द्वारा अपेक्षित सहिष्णुता सीमा अत्यधिक है और बीएस ईएन 10259 तथा एसटीएम जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं है और इसका निर्धारण निर्यातकों द्वारा अपनाए गए मानकों के अनुसार किया जाना चाहिए।

(च) 50 मि.मी. का परिवर्धन अनुचित रूप से अधिक सहिष्णुता सीमा है जिससे उत्पाद का दायरा बढ़ जाएगा। दायरे में ऐसी वृद्धि का अर्थ न केवल अत्यधिक आशोधन होगा बल्कि यह संबद्ध वस्तु के दायरे में परिवर्धन के समकक्ष भी होगा जिसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

(छ) वैश्विक रूप से एसटीएम और आईएसओ सहित व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले अनेक मानदंड हैं जो कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील हेतु अधिकम चौड़ाई संबंधी सहिष्णुता विनिर्दिष्ट करते हैं। इस्पात की मिलों में वैश्विक रूप से उत्पादन के कड़े मानकों का पालन किया जाता है जो आईएसओ तथा एसटीएम मानकों के अनुरूप हैं।

(ज) बीआईएस मानक उपरोक्त अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अधिक अनुरूप हैं अतः + 50 मि.मी. सहिष्णुता संबंधी याचिकाकर्ता का अनुरोध स्वीकार्य नहीं है क्योंकि यह स्वीकार्य अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप नहीं है। + 50 मि.मी. की सहिष्णुता सीमा ने केवल अंतर्राष्ट्रीय मानकों से कहीं अधिक है बल्कि यह अप्रभावी प्रारंभिक सीमा को भी प्रतिबिंबित करती है।

(झ) मौजूदा याचिका में, याचिकाकर्ता क्यूएमएस तथा ईएमएस आईएसओ मानकों पर निर्भर रहा है जो याचिकाकर्ता के आंतरिक मानक हैं और इन्हें बीआईएस द्वारा जारी एवं अपनाए गए राष्ट्रीय मानकों के समकक्ष नहीं माना जाना चाहिए।

(अ) यह अनुरोध किया जाता है कि याचिकाकर्ता के अनुचित एवं अत्यधिक सहिष्णुता वाले मानकों के स्थान पर राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा यथापरिभाषित सहिष्णुता मानकों को अपनाया जाना चाहिए ।

(ट) अन्य देशों में स्टेनलेस स्टील उत्पादों से संबंधित जाँचों में अधिकतम चौड़ाई या मोटाई विनिर्दिष्ट है किन्तु कोई सहिष्णुता सीमा विनिर्दिष्ट नहीं है ।

(ठ) घरेलू उद्योग ने उल्लंघन का मामला अनुचित रूप से दर्ज किया है जबकि इस संबंध में भारतीय कानून में कोई प्रावधान नहीं है और इस आधार पर एमटीआर की शुरुआत नहीं की जा सकती है ।

(ड.) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह दावा किया गया है कि प्राधिकारी एवं सीईएसटीएटी के समक्ष प्रस्तुत मौजूदा मामले में घरेलू उद्योग ने दोहरे उपायों का लाभ उठाया है ।

(ढ) जाँच शुरुआत अधिसूचना में समीक्षा अवधि विनिर्दिष्ट नहीं की गई है अतः मध्यावधि समीक्षा जाँच की शुरुआत नहीं की जा सकती है ।

(ण) हितबद्ध पक्षकारों ने सूचित किया है कि घरेलू उद्योग ने आईएसओ:9001 : 2000 के अनुसार उत्पाद मानकों को गोपनीय रखते हुए अनुचित रूप से अधिक गोपनीयता का दावा किया है ।

(त) मध्यावधि समीक्षा जाँच की शुरुआत व्यापार सूचना सं. 1/2010 के अनुरूप नहीं है ।

(थ) यह तर्क भी प्रस्तुत किया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सहिष्णुता विनिर्देशन करना व्यापार से संबंधित तकनीकी बाधाओं संबंधी डब्ल्यूटीओ करार का उल्लंघन होगा ।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

10. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :-

क. हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क पूर्णतः गलत है कि नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी को मौजूदा जाँच की शुरुआत करने का अधिकार नहीं है । मध्यावधि समीक्षा जाँच के आवेदन हेतु फॉर्मेट निर्धारित करते हुए प्राधिकारी ने परिवर्तित परिस्थितियों की एक निदर्शी सूची का उल्लेख किया है और यह विनिर्दिष्ट किया है कि यह केवल उन कारकों तक ही सीमित नहीं है और किसी अन्य कारक के लिए भी मध्यावधि समीक्षा जाँच की शुरुआत की जा सकती है । इसके अतिरिक्त निर्यातकों द्वारा की गई सीमित व्याख्या इस तथ्य के मद्देनजर सही नहीं है कि नियम 23 में समीक्षा जाँच के आधार के रूप में "परिवर्तित परिस्थितियों का कोई उल्लेख नहीं है किन्तु प्रचलन में उसे स्वीकार किया गया है । घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोध के समर्थन में मै0 ऋषिरूप पॉलिमर्स प्रा0लि0 बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी [2006(196)ईएलटी 385(एससी)] के एक मामले और ईसी मामलों यथा दिनांक 23 अक्टूबर, 1995 की परिषद विनियमन (ईसी) सं. 2474(95), 2 अक्टूबर, 1995 की परिषद विनियमन (ईसी) सं. 2380/95, 16 अप्रैल, 2009

की परिषद विनियमन (ईसी) सं. 319/2009, विनियमन (ईसी) सं. 2402/98 और 2009/सी 215/06 को संशोधित करने वाले परिषद विनियमन का भी उल्लेख किया है।

ख. मौजूदा समीक्षा जाँच उत्पाद के दायरे के संवर्धन से संबंधित नहीं है बल्कि विचाराधीन उत्पाद की सहिष्णुता के संबंध में स्पष्टीकरण से जुड़ी है। चौड़ाई के संबंध में सहिष्णुता सीमा को शामिल किए जाने का अर्थ मध्यावधि समीक्षा जाँच के दायरे में किसी नए उत्पाद को शामिल करना नहीं है। बल्कि यह एक ऐसा तथ्य है कि जो पहले से मौजूद था पर उसे अंतिम जाँच परिणाम में शामिल नहीं किया गया था। इसके अतिरिक्त हितबद्ध पक्षकार ऐसे किसी भी विधिक प्रावधान का हवाला देने में असमर्थ रहे हैं जिससे यह स्पष्ट होता हो कि नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी को सहिष्णुता विनिर्देशन के स्पष्टीकरण का अधिकार नहीं है।

ग. सहिष्णुता के संदर्भ में घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि प्राधिकारी ने अपने अंतिम जाँच परिणाम में केवल इस अनुमानित आधार पर चौड़ाई को अधिकतम 1250 मि.मी. तक सीमित कर दिया है कि घरेलू उद्योग उससे अधिक चौड़ाई की शीटें बनाने में अक्षम है। यह अनुरोध भी किया गया है कि प्राधिकारी ने भी जाँच के दौरान यह सत्यापित किया है कि कुछ मामलों में सामग्री की चौड़ाई 1300 मि.मी. से भी अधिक होती है। इस तथ्यात्मक रूप से त्रुटिपूर्ण कथन के प्रति किसी पूर्वाग्रह के बिना यह अनुरोध किया जाता है कि यदि किसी प्रतिबंध के लिए अपनाया गया आधार घरेलू उद्योग की उत्पादन क्षमता है तो घरेलू उद्योग द्वारा अपनाए जाने वाले मानकों के संदर्भ में सहिष्णुता सीमा को भी विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

घ. चूंकि यह एक मान्य तथ्य है कि अलग-अलग निर्यातक/उत्पादक अलग-अलग आंतरिक एवं सार्वजनिक मानकों का अनुपालन करते हैं अतः ऐसे विविध मानकों के आधार पर सहिष्णुता विनिर्देशनों को विनिर्दिष्ट नहीं किया जा सकता है। निर्यातकों द्वारा यह मान लेने कि सहिष्णुता सीमाएँ किसी भी तकनीकी उत्पाद का अभिन्न हिस्सा हैं, के बाद घरेलू उद्योग के विनिर्देशनों के संदर्भ में सहिष्णुता को विनिर्दिष्ट करना औचित्यपूर्ण होगा। मै0 थायनॉक्स और मै0 ऑटोकुम्पु स्टेनलेस ने यह स्वीकार किया है कि संबद्ध वस्तु की चौड़ाई संबंधी सहिष्णुता सीमा (+30) मि.मी. है।

ड. ऐसे अन्य मामलों जिनमें अधिकतम चौड़ाई निर्धारित की गई है, के बारे में घरेलू उद्योग ने सूचित किया है कि उन मामलों के तथ्यों और मौजूदा मामले के तथ्यों में बहुत अंतर है। उन मामलों में अधिकतम चौड़ाई का निर्धारण जाँच की शुरुआत के चरण में ही किया गया था जबकि मौजूदा मामले से संबंधित मूल जाँच में जाँच शुरुआत के समय अधिकतम चौड़ाई का निर्धारण नहीं किया गया था लेकिन अंतिम जाँच परिणाम के चरण में अधिकतम चौड़ाई का सीमांकन किया गया था।

इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकारों ने इस बात के समर्थन में कि उन मामलों में प्राधिकारियों ने शुल्क अधिरोपित करते हुए सहिष्णुता सीमा का पालन नहीं किया है, रिकॉर्ड में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

च. घरेलू उद्योग ने यह वक्तव्य दिया है कि उसने मध्यावधि समीक्षा शुरू करने के आधार के रूप में धोखाधड़ी अथवा कथित धोखाधड़ी को एक कारण नहीं बताया है। "धोखाधड़ी" शब्द के उपयोग को शब्द के सामान्य अर्थों में लिया जाना चाहिए न कि तकनीकी अर्थ में। विशेष रूप से उस स्थिति में जब "धोखाधड़ी" को परिभाषित करने वाला कोई कानून मौजूद नहीं है। धोखाधड़ी तब होती जब शुल्कों के अधिरोपण से बचने के लिए उत्पाद में ही परिवर्तन कर दिया जाता जबकि वर्तमान मामले में ऐसा नहीं है, जहां जांचाधीन उत्पाद में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। निर्यातकों ने अपने लिखित निवेदनों में यह स्वीकार किया है कि उनके द्वारा निर्यातित उत्पादों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। यह भी निवेदन किया गया है कि इस याचिका ने उठाए गए मुद्दे कार्यान्वयन संबंधी मुद्दों से संबंधित नहीं है, जैसा कि एक निर्यातक द्वारा कहा गया है। इस मामले का उदाहरण सहिष्णुता सीमा की विनिर्दिष्टियों को स्पष्ट करने के लिए दिया गया है न कि धोखाधड़ी अथवा उत्पाद संवर्धन की विनिर्दिष्टियों को स्पष्ट करने के लिए।

छ. घरेलू उद्योग का कहना था कि वर्तमान जांच में जांच अवधि को विनिर्दिष्ट करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि जांच केवल सहिष्णुता के विनिर्देशनों को स्पष्ट करने के सीमित पहलु से संबंधित है। यह भी देखा जा सकता है कि ई सी तक में यह एक मानक पद्धति है जहां समनुरूपी परिस्थितियों में जांच अवधि को निर्धारित नहीं किया जाता है क्योंकि वह संगत नहीं होती है।

ज. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग ने कहा है कि आई एस ओ : 9001 : 2000 के अनुसार घरेलू उद्योग के उत्पाद मानकों को प्रमाणित करने वाला दस्तावेज एक आंतरिक दस्तावेज है और उसमें व्यापार स्वामित्व संबंधी सूचना निहित होती है जिसका प्रकटन घरेलू उद्योग के वाणिज्यिक हितों के लिए हानिकारक सिद्ध हो सकता है और उस सूचना से अन्य पक्षकारों को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ प्राप्त हो सकता है। अतः घरेलू उद्योग ने इस सूचना को गोपनीय रखा है।

झ. हितबद्ध पक्षकारों के इस तर्क के संबंध में कि - मध्यावधि समीक्षा व्यापार नोटिस सं० 1/2010 के अनुसार नहीं है, घरेलू उद्योग का यह कहना था कि व्यापार संबंधी नोटिस मार्गदर्शी प्रकृति का होता है और इसे उद्योग की सुविधा के लिए जारी किया जाता है। तथापि व्यापार नोटिस, कानून के तहत परिकल्पित प्राधिकारी की शक्तियों को समाप्त नहीं करता है।

ञ. निर्यातकों का यह तर्क कि निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा विनिर्दिष्ट सहिष्णुता के विनिर्देशनों से व्यापार की तकनीकी बाधाओं संबंधी डब्ल्यू टी ओ करार का उल्लंघन होगा, पूर्ण रूप से भ्रामक है क्योंकि तकनीकी मानदण्डों के आधार पर आयातों को नियंत्रित करने की कोई चेष्टा नहीं की गई है।

प्रकटन पश्चात् हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियां

निर्यातक एवं आयातक

क. एम टी आर का उद्देश्य पाटनरोधी शुल्कों को जारी रखने अथवा उनको हटाने की आवश्यकता का आकलन करना है। नियम 23 प्राधिकारी को निश्चयात्मक शुल्क को जारी रखने अथवा उसको समाप्त करने की आवश्यकता की समीक्षा करने की शक्ति प्रदान करता है। अतः पाटनरोधी नियमों के अंतर्गत सीमित प्रयोजन के लिए मध्यावधि समीक्षा (एम टी आर) शुरू करना औचित्यपूर्ण नहीं है।

ख. अपने मामलों में मध्यावधि समीक्षा के दौरान विचाराधीन उत्पाद के दायरे में विस्तार नहीं करना इस निर्दिष्ट प्राधिकारी की स्थापित पद्धति है जैसा कि एक्रिलिक फाइबर के संबंध में दिनांक 19 अप्रैल, 2005 के अंतिम जांच परिणामों और विस्कस फिलामेंट यार्न के संबंध में 22 मई, 2009 के अंतिम जांच परिणामों से विदित है।

ग. वर्तमान समीक्षा में प्राधिकारी द्वारा दी गई विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा के दायरे में आगे और विस्तार करने की मांग की गई है। एक मध्यावधि जांच समीक्षा में ऐसा नहीं किया जा सकता है। विचाराधीन उत्पाद के दायरे को इस प्रकार बढ़ाना पाटनरोधी नियमों के नियम 23 में निहित शक्तियों के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है।

घ. जहां तक उत्पाद में परिवर्तन का संबंध है, यह निवेदन किया गया है कि केवल उन्हीं परिवर्तनों के बारे में स्पष्टीकरण दिया जा सकता है जो मूल कार्यवाही के दौरान विद्यमान थे। सहिष्णुता सीमा, उत्पाद की संवर्धनात्मक विशेषता है।

ङ. प्राधिकारी ने अपने प्रकटन विवरण में साक्ष्यों का बिल्कुल विश्लेषण नहीं किया है जिससे विचाराधीन उत्पाद का संवर्धन करने और उसके कार्यक्षेत्र में परिवर्तन करने का अधिकार प्राप्त होता है।

च. वर्तमान मध्यावधि समीक्षा, परिवर्तित परिस्थितियों के तहत दायर नहीं की गई है बल्कि वह एक विलोपन को सुधारने के लिए की गई है जो स्पष्ट रूप से अनुबोध ही है।

छ. ट्रिम एज तथा मिल एज पर सहिष्णुता सीमा को विनिर्दिष्ट करने के लिए लिखित दस्तावेजों द्वारा समर्थित मौखिक चर्चाएं कभी नहीं की गई हैं। ट्रिम एज प्रकार के उत्पाद के आयात किए गए हैं और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत आंकड़े भी ट्रिम एज के ही हैं। अतः यदि प्राधिकारी सहिष्णुता सीमा निर्धारित करने की अनुशंसा करते भी हैं तो वह केवल ट्रिम एज तक ही सीमित होनी चाहिए और मिल-एज विनिर्देशनों को इसमें शामिल नहीं किया जाना चाहिए।

ज. सहिष्णुता सीमा का समावेश करना, पूर्ववर्ती जांच में मूल रूप से परिभाषित उत्पाद के विषय में स्पष्टीकरण देना नहीं है बल्कि उत्पाद के दायरे में एक नये विनिर्देशन को जोड़ना है। अतः कोई भी अनुशंसित परिवर्तन, इस समीक्षा के अंतिम जांच परिणामों के अनुसरण में जारी नई सीमाशुल्क अधिसूचना की तारीख से अग्रदर्शी प्रकृति का होगा।

झ. घरेलू उद्योग के अनुरोधानुसार किसी सहिष्णुता सीमा का निर्धारण न करना एक अंतर्राष्ट्रीय पद्धति है। इसके कुछेक उदाहरण स्पेन के उत्पाद (सी-469-809-यू एस ए) तथा अर्जेंटीना, बेल्जियम इत्यादि से कोल्ड रोल्ड स्टील शीटें (4258-105 ए डी/1198 : कनाडा) इत्यादि हैं।

ञ. ऐसा प्रतीत होता है कि सहिष्णुता का निर्धारण करके घरेलू उद्योग का उद्देश्य ऐसे उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में लाना है जिसकी न्यूनतम चौड़ाई 1250 मिमी से अधिक तथा 1280 मिमी से अनधिक हों। सहिष्णुता सीमा को ऐसे उत्पादों, जिन्हें मूल जांच में कवर नहीं किया गया था, को शामिल करने के लिए एक बैकडोर तरीके के रूप में इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।

ट. सहिष्णुता सीमा तकनीकी प्रयोजनों के लिए होती है वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए नहीं। घरेलू उद्योग का उद्देश्य इस मध्यावधि समीक्षा के दौरान विचाराधीन उत्पाद के दायरे को किसी भी प्रकार से 1280 मिमी तक बढ़ाना है।

ठ. नियम 23 के अंतर्गत डी जी ए डी को कार्यक्षेत्र से संबंधित समीक्षा जांच करने की अनुमति नहीं है। जब तक कि कोई शक्ति विशिष्ट रूप से प्राधिकारी को प्रदान न की जाए, तब तक प्राधिकारी उस अधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता है। यह निष्कर्ष कि संबद्ध वस्तुओं का आयात 1250 मिमी की सीमा से मामूली रूप से अधिक माप के साथ किया जाता है अतः उस पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा रहा है, साक्षरहित है।

ड. शुल्क तालिका में उल्लिखित उत्पाद के कार्यक्षेत्र के संबंध में स्पष्टीकरण देने की शक्ति डी जी ए डी के पास है अथवा नहीं, इस प्रश्न का समाधान प्रकटन विवरण में नहीं किया गया है।

घरेलू उद्योग की टिप्पणियां

क. 600 मिमी. - 1000 मिमी. के बीच की चौड़ाई के लिए अलग-अलग सहिष्णुता सीमा का निर्धारण करने की कोई आवश्यकता नहीं है। सहिष्णुता सीमा को शामिल करने के बाद भी उक्त चौड़ाईयां संबद्ध वस्तुओं का हिस्सा बनी रहेंगी।

ख. प्राधिकारी मिल-एज तथा ट्रिम-एज का वर्गीकरण किए बिना सहिष्णुता सीमा का निर्धारण कर सकते हैं क्योंकि आयातकों द्वारा मिल-एज सामग्री को ट्रिम-एज सामग्री घोषित किया जा सकता है और पत्तनों पर अत्यधिक भीड़-भाड़ को देखते हुए प्रत्येक परेक्षण में सामग्री की अलग-अलग जांच एवं सत्यापन करना सीमाशुल्क अधिकारियों के लिए संभव नहीं होगा।

ग. जहां तक सहिष्णुता सीमा का संबंध है, एक या एक से अधिक अंतर्राष्ट्रीय मानकों के आधार पर उनको विनिर्दिष्ट नहीं किया जाएगा। सहिष्णुता सीमा को घरेलू उद्योग के विनिर्देशनों के अनुसार विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11. प्राधिकारी ने प्रकटन पश्चात रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचनाओं सहित घरेलू उद्योग, निर्यातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराए गए निवेदनों, तर्कों और साक्ष्यों को नोट किया है। इनमें उठाए गए मुद्दों की निम्नानुसार जांच की गई है:-

क. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने दिनांक 11 जून, 2010 के अपने आवेदन में विचाराधीन उत्पाद की चौड़ाई से संबंधित सहिष्णुता सीमाओं में विनिर्देशनों हेतु सीमित मध्यावधि समीक्षा शुरू करने का अनुरोध किया था ताकि उत्पाद को सटीक ढंग से परिभाषित किया जा सके।

ख. मूल जांच की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद को '600 मिमी अथवा उससे अधिक चौड़ाई वाले स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद की समस्त श्रृंखला जिस पर आगे और कार्य किया गया हो तत्पश्चात उसे कोल्ड रोल (कोल्ड रिड्यूज्ड) किया गया हो' के रूप में परिभाषित किया गया है।

ग. मूल जांच के अंतिम जांच परिणामों में विचाराधीन उत्पाद को 600 मिमी अथवा उससे अधिक चौड़ाई वाले स्टेनलेस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद की समस्त श्रृंखला जिस पर आगे और कार्य किया गया हो तत्पश्चात उसे कोल्ड रोल (कोल्ड रिड्यूज्ड) किया गया हो तथा उसकी चौड़ाई 4 मिमी. तक हो' के रूप में परिभाषित किया गया है। प्राधिकारी ने उपर्युक्त कुछेक ग्रेडों/प्रकारों को भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा है।

घ. घरेलू उद्योग द्वारा मध्यावधि समीक्षा का अनुरोध करने का मूल आधार यह था कि सहिष्णुता संबंधी विनिर्देशनों की अनुपस्थिति में 1250 मिमी. तक की चौड़ाई वाले उत्पाद शुल्क से बच जाते हैं क्योंकि सहिष्णुता सीमा सहित आयात की गई सामग्री की चौड़ाई मामूली तौर पर कट-ऑफ बिंदु से अधिक हो सकती है। अतः घरेलू उद्योग ने समीक्षा हेतु आवेदन प्रस्तुत करके विचाराधीन उत्पाद की सहिष्णुता सीमा (+ 50 मिमी.) को विनिर्दिष्ट करने का अनुरोध किया है।

ड. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि एक सीमित समीक्षा अथवा कार्यक्षेत्र के संबंध में अथवा सहिष्णुता सीमा की समीक्षा करने हेतु भारतीय कानून में कोई प्रावधान नहीं है। उनके अनुसार नियम 23 में केवल परिवर्तन परिस्थितियों की समीक्षा का प्रावधान किया गया है और यह नियम वर्तमान समीक्षा को कवर करने के लिए पर्याप्त रूप से व्यापक नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह एक निर्विवाद स्थिति है कि नियम 23 की शक्तियां उस स्थिति में भी परिवर्तित

परिस्थितियों की समीक्षा करना नियत करती है जबकि नियम में विशिष्ट रूप से उसका उल्लेख नहीं किया गया हो। किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस बात का खण्डन नहीं किया है कि उक्त नियम के अंतर्गत परिवर्तित परिस्थितियों में समीक्षा अनुमत्य है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि नियम 23 में ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है कि नियम 23 के अंतर्गत निर्दिष्ट प्राधिकारी की शक्तियों को प्रतिबंधात्मक अथवा सीमित ढंग से पढ़ा जाना चाहिए। दूसरे शब्दों में एक मध्यावधि समीक्षा प्रत्येक मामले के तथ्यों तथा परिस्थितियों पर निर्भर किसी संगत आधार पर शुरू की जा सकती है।

च. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के इन तर्कों को भी नोट किया है कि निगमित निर्यातित की "नाम परिवर्तन" संबंधी जांच भी नियम 23 के अंतर्गत की गई है तथा किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने ऐसी जांच की वैधता को न मानने अथवा वैधता पर प्रश्न नहीं किया है। यदि नियम 23 को सीमित अर्थ में देखा जाता है जैसे कि निर्यातकों ने प्रस्ताव किया है तो वहां पर कई ऐसी परिस्थितियां होगी जहां वास्तविक मुद्दे अनसुलझे रह जाएंगे। किसी भी स्थिति में माननीय उच्चतम न्यायालय ने रिशिरूप पोलिमर्स प्राइवेट लिमिटेड बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी (2006(196) ई एल टी 385 (एस सी)) मामले में सुझाव नहीं दिया है कि नियम 23 के अनुसरण में निर्दिष्ट प्राधिकारी की शक्तियों को सीमित किया गया है।

छ. जैसे कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा आरोप लगाया गया है कि वर्तमान मामले में बचने का मामला है, प्राधिकारी ने पाया है कि घरेलू उद्योग ने अपने आवेदन में "बचना" सामान्य अर्थ में लिया है न कि तकनीकी अर्थ में, विशेष तौर पर जब देश में बचने को परिभाषित करने के संबंध में कोई कानून नहीं है। यह नोट किया जाता है कि तकनीकी अर्थों में बचना तब होता है जब उत्पाद स्वतः शुल्कों से बचने हेतु एक भाग के रूप में अथवा आंशिक रूप से संशोधित हो, जो स्पष्टतः वर्तमान मामले में नहीं हुआ जहां जांचा गया उत्पाद समान रहता है।

ज. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने बताया है कि समीक्षा का दायरा सीमित/कम तक सीमित है और इसके दायरे को वृद्धि के रूप में नहीं पढ़ा जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान समीक्षा उत्पाद दायरे के वृद्धि के लिए नहीं हैं लेकिन जांचाधीन उत्पाद की चौड़ाई के संबंध में वर्णित करने के स्पष्टीकरण हेतु है तथा नए उत्पाद को बढ़ाने का अनुरोध नहीं किया गया है। प्राधिकारी का मत है कि चौड़ाई में छूट शामिल करना मध्यावधि समीक्षा के अंतर्गत नए उत्पाद को लाना नहीं है और न ही यह उत्पाद के दायरे में किसी वृद्धि को शामिल करता है।

झ. समीक्षा का उद्देश्य केवल शामिल उत्पाद के विनिर्देशनों को स्पष्ट करना है।

ञ. निवेदनों के बारे में यह है कि ट्रिम एज अथवा मिल एज संबंधी छूट को स्पष्ट करने के लिए कभी भी मौखिक संवाद अथवा लिखित निवेदन नहीं है, प्राधिकारी ने आइ एस ओ छूट मानकों के अनुसार उक्त वर्गीकरण को अपनाया है जिन्हें प्राधिकारी अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अति विश्वसनीय मानते हैं।

ट. निवेदन के संबंध में छूट सीमा प्रदान करने के लिए कोई अंतर्राष्ट्रीय प्रक्रिया नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसे भी अवसर आए हैं जहां छूट सीमा जापान, कोरिया और हांगकांग, ओ जे (1990) एल 313/5 से कैसेटों में आडियो टेपों के मामले में यथा वर्णित है। किसी भी मामले में प्राधिकारी मानते हैं कि एक मामले की स्थिति में एक टी आर का प्रयोग विनिर्दिष्ट है। प्राधिकारी केवल मौजूदा उत्पाद के खिलाफ चौड़ाई छूट के विनिर्देशन को दोहराते हैं और इसलिए इसमें नए उत्पाद नहीं आएंगे न ही पी यू सी के दायरे में वृद्धि होगी।

निष्कर्ष एवं सिफारिश

12. प्राधिकारी मानते हैं कि इस मामले में विचाराधीन उत्पाद अपने यथार्थ स्वरूप से अपने सटीक परिमाण का उत्पादन नहीं कर सकता और इसलिए छूट की जरूरत है। आगे यह पाया गया है कि संबद्ध वस्तु की खेप 1250 एम एम सीमा से आंशिक रूप से अधिक चौड़ाई पर आयात किए जा रहे हैं इसके बाद पाटनरोधी शुल्क से बच रहे हैं। उपर्युक्त परिस्थितियों में प्राधिकारी का विचार है कि शुल्क तालिका में विनिर्दिष्ट किए जाने वाले मौजूद उत्पाद के लिए चौड़ाई छूट के रूप में घरेलू उद्योग को सहायता दिया जाना अपेक्षित है। इसलिए प्राधिकारी यह आवश्यक समझते हैं कि मिल - एज तथा ट्रिम - एज के लिए अलग-अलग उत्पाद की चौड़ाई के लिए छूट सीमा के विनिर्देशन के जरिए मूल अंतिम निष्कर्षों की शुल्क तालिका में उत्पाद को स्पष्ट करना चाहिए।

13. जहां तक छूट का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि मिल में यथा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की कोई निश्चित रूपरेखा नहीं होती है और ये चैप, पतले और क्षतिग्रस्त एज जैसे अपूर्ण एज के होंगे। इसलिए इनकी चौड़ाई कभी भी सटीक रूप से 1250 एम एम नहीं होगी लेकिन यह एक ही तरह से उच्च चौड़ाई में उत्पादित है। यह भी नोट किया गया है कि जांच संबंधी पक्षकारों ने छूट की सीमा के विषय में विवाद के बारे में घरेलू उद्योग/याचिकाकर्ता द्वारा अनुरोध किया गया है। विभिन्न निर्यातकों ने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय मानकों के अनुसार विभिन्न छूट स्तरों को इंगित किया है।

14. इसके अलावा याचिकाकर्ता द्वारा (+ 50) एम एम की छूटों के संबंध में अनुरोध किया है, हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई छूट अधिक है और उद्योग के मानकों के अनुसार एक जैसी नहीं है तथा इन्हें अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसरण में विनिर्दिष्ट किया जाता है।

15. प्राधिकारी ने ए एस टी एम ए 480/ए 480 एम - 10, 9445-2 : 2009 (ई) तथा बी एस ई एन 10259 जैसे अंतर्राष्ट्रीय मानकों को नोट किया है। उक्त मानकों के अंतर्गत चौड़ाई छूट सीमा नीचे वर्णित है।

i) ए एस टी एम ए 480/ए 480 एम - 10 :

इस मानक के अंतर्गत चौड़ाई छूट सीमा + 4.0 एम एम है जो 600 एम एम से 1250 एम एम की चौड़ाई के लिए विनिर्दिष्ट है।

ii) आई एस ओ 9445 - 2 : 2009 (ई)

	600 एम एम \leq डब्ल्यू < 100 एम एम के विनिर्दिष्ट चौड़ाई रेंज के लिए चौड़ाई छूट	1000 एम एम \leq डब्ल्यू < 2100 एम एम के विनिर्दिष्ट चौड़ाई रेंज के लिए चौड़ाई छूट
मिल-एज उत्पाद	+ 25 मिमी	+ 30 मिमी
ट्रिम-एज उत्पाद	+ 4.0 मिमी	+ 4.0 मिमी

iii) बी एस ई एन 10259 (ब्रिटिश स्टेनहोस स्टील/एशोसिएशन) :

इस मानक के अंतर्गत, 600 मिमी से 1250 मिमी की न्यूनतम चौड़ाई के लिए + 4.0 मिमी सामान्य चौड़ाई छूट है।

प्राधिकारी ने संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय अर्थात् इस्पात मंत्रालय से इस मामले में परामर्श किया और सी आर स्टेनलेस स्टील फ्लैट उत्पाद में चौड़ाई छूट के संबंध में सूचना एकत्रित की जो स्टील अथॉरिटी ऑफ इण्डिया लि०, जो कि संबद्ध वस्तु का उत्पादक भी है, से प्राप्त निविष्टियों पर आधारित है। इस्पात मंत्रालय द्वारा सूचित छूट स्तर आई एस ओ मानकों के समान पाये गये हैं।

16. उपरोक्त को देखते हुए प्राधिकारी ने आई एस ओ मानक के अनुसार विचाराधीन उत्पाद की चौड़ाई के संबंध में छूट सीमा पर विचार किया और इसे दिनांक 24 नवम्बर, 2009 के अंतिम निष्कर्ष सं० 14/6/2008-डी जी ए डी और दिनांक 20 फरवरी, 2010 के वित्त मंत्रालय की अधिसूचना सं० 14/2010-सीमाशुल्क में शुल्क तालिका में शामिल उत्पाद के संबंध में भी अपनाया है। तदनुसार प्राधिकारी दिनांक 24 नवम्बर, 2009 की अधिसूचना सं० 14/6/2008 - डी जी ए डी तथा दिनांक 20 फरवरी, 2010 की अधिसूचना सं० 14/2010-सीमाशुल्क में शुल्क तालिका में उल्लिखित उत्पाद के संबंध में निम्नलिखित चौड़ाई छूट सीमा की सिफारिश करते हैं :-

मिल-एज

1000 एम एम \leq डब्ल्यू < 1250 एम एम के विनिर्दिष्ट चौड़ाई रेंज के लिए चौड़ाई छूट
+ 30 मिमी

ट्रिम-एज

1000 एम एम \leq डब्ल्यू < 1250 एम एम के विनिर्दिष्ट चौड़ाई रेंज के लिए चौड़ाई छूट
+ 4 मिमी

17. इस आदेश के खिलाफ कोई अपील अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)
FINAL FINDINGS
New Delhi, the 8th June, 2011
(Mid-term Review)

Subject: Anti-dumping (Mid-term Review) investigation limited to the product scope of definitive Anti-dumping Duty imposed on Cold-Rolled Flat Products of Stainless Steel of the width of 600 mm upto 1250mm of all series further worked then Cold Rolled (cold reduced) with a thickness of up to 4mm, originating in or exported from China PR, Japan, Korea, European Union, South Africa, Taiwan , Thailand and USA-Final Findings.

BACKGROUND

F.No. 15/16/2010-DGAD. - Having regard to the Custom Tariff Act, 1975 as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Duty or Additional Duty on dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) vide Notification No.14/6/2008-DGAD dated 24th November, 2009, notified its final findings recommending definitive anti dumping duty on import of Cold-Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or exported from China PR, Japan, Korea, European Union, South Africa, Taiwan , Thailand and USA. And whereas definitive anti dumping duty was imposed on the subject goods vide Customs Notification No.14/2010-Customs dated 20th February, 2010.

2. M/s Jindal Stainless Ltd., New Delhi has filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of Mid-Term Review of anti dumping duty limited to the scope of the product under Anti-

Dumping Duty levied on Cold-Rolled Flat Products of Stainless Steel of the width of 600 mm upto 1250mm of all series further worked then Cold Rolled (cold reduced) with a thickness of up to 4mm (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from China PR, Japan, Korea, European Union, South Africa, Taiwan, Thailand and USA(hereinafter referred to as subject countries). The applicant furnished a detailed statement setting out the following grounds for seeking a review:-

- a. Designated Authority had restricted the width of the subject goods in the original investigation to 1250 mm. However, while restricting the width of the subject goods to 1250mm, no tolerance was prescribed. No engineering product can be produced to the exact dimensions without any tolerance.
- b. The sheets in coil as produced on the mill does not conform to any definite contour and will have edge imperfections like chapped, thin and damaged edges. Therefore, widths are never exactly the same as 1250 mm but are invariably produced in higher widths.
- c. In the absence of any tolerance in the recommendations and in the corresponding customs notification, the products of width 1250mm or lower are being declared as having widths of 1251mm to 1300 mm and thereby the anti dumping duty is circumvented.
- d. There are a large number of consignments where the width has been declared as 1251mm or marginally above the 1250mm limit specified in the final findings, thereby, escaping anti dumping duty.
- e. Even the width of 1250mm produced by the petitioner themselves has a tolerance of up to +50mm.

3. The Authority issued a public notice dated 23rd June 2010 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating mid-term review of aforesaid final findings dated 24th November, 2009 and of the definitive anti dumping duty notified vide aforesaid Customs Notification dated 20th February, 2010. The Review is limited to the

product scope of the said anti dumping duty and covers limited aspects of said notifications.

B. PROCEDURE

4. In the present proceedings the procedure described herein below has been followed:

(i) The Authority sent copies of the initiation notification dated 23rd June 2010 to the High Commission/Embassies of the subject countries in India, known exporters from the subject countries, known importers and other interested parties, and the domestic industry, as per the information available with it. Parties to this investigation were requested to file their response and make their views known in writing within the prescribed time limit.

(ii) Copy of the non-confidential version of the application filed on behalf of the domestic industry along with the initiation notification was sent to the High Commission/Embassies of the subject countries, to the following known exporters and to other interested parties in accordance with the AD Rules:

1. Outokumpu Stainless, Finland
2. Thainox Stainless Public Company Ltd., Thailand
3. Allegheny Technologies Incorporated, Pittsburgh
4. Daewoo International, Korea
5. LG International Corporation, Korea
6. SK Networks Co. Ltd., Korea
7. Samsung C & T Corporation, Korea
8. Yieh United Steel Corporation (YUSCO), Taiwan
9. Acerinox S.A., Spain
10. Yieh Mau Corporation, Taiwan
11. Acerinox Malaysia Sdn. Bhd., Malaysia
12. Lianzhong Stainless Steel Corporation, China PR
13. Columbus Stainless (PTY) Ltd., South Africa
14. Shanxi Taigang Stainless Steel Co. Ltd. (STSS), China PR
15. TISCO Trading (HK) Ltd., Hong Kong

16. Tainjin Taigang Tianguan Stainless Steel Co. Ltd., China PR
17. POSCO, Korea
18. POSTEEL, Korea
19. Hyundai Corporation, Korea
20. Thyssenkrupp Stainless International, Germany
21. Arcelor Mittal Stainless (France & Belgium)
22. All India Stainless Steel Industries Association
23. The Tamilnadu Stainless Steel Merchants and Manufacturers
24. Association.
25. Karnataka Stainless Steel Trade and Industry association
26. Non-Ferrous metal Association (Karnataka)
27. Stainless Steel Merchant Association
28. Engineering Export Promotion council
29. Stainless Steel Exporters Welfare Association
30. Madras Steel Agencies
31. Marudhar Industries
32. Ramdev Metal Mart
33. Reliance Stainless Steel
34. IDMC Ltd.
35. Siddhivinayak Steel
36. Vinod Cookware
37. Metal Trading Corporation
38. Kutz Industries
39. Kraftwares (India) Ltd.
40. King Metal Works
41. Kevin Enterprises Pvt Ltd.
42. Process Plant and Machinery Association of India.
43. Shakti Pumps(India) ltd.
44. Sulzer India Ltd.
45. Magneti marelli SKH Exhaust Systems Pvt Ltd
46. PN-NJ Ind Pvt Ltd
47. MCCI
48. Shivalik Fastners Pvt Ltd.

(iii) In response to the initiation notification, the following interested parties have responded:

1. M/s Posco, Korea
2. M/s Acerinox, Spain
3. M/s North American Stainless, USA
4. M/s Acerinox, Malaysia
5. M/s Columbus Stainless Pty. Ltd., South Africa
6. M/s Outokumpu Stainless, Finland
7. M/s Thainox Stainless, Thailand
8. M/s All India Stainless Steel Importers' Association
9. IDMC Limited
10. Merudhar Industries
11. Madras Steel Agencies
12. Arcelor Mittal
13. All India Stainless Steel Industries Association

(iv) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

(v) Verification of the relevant information of the domestic industry has been carried out.

(vi) The Authority held a public hearing on 10.01.11 to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of domestic industry, exporters, importers and other interested parties. The oral hearing was followed by the written submissions and rejoinders filed by interested parties. A public hearing was again held on 14th March, 2011 in view of change of incumbency in the Designated Authority. It was followed by written submissions and rejoinders from the interested parties. The same, to the extent relevant, have been addressed in these findings.

(vii) Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.

(viii) Under Rule 16 of Anti-dumping Rules, a disclosure of essential facts/basis for the present findings was issued to known interested parties and comments received thereon are appropriately considered in the final findings.

(ix) *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.

Product Under Consideration

5. The product under consideration in the original investigation was Cold-rolled Flat products of stainless steel of the width of 600 mm upto 1250mm of all series not further worked than Cold rolled (cold reduced) with a thickness of up to 4mm. However, the following were excluded from the scope of the product under consideration:

- (a) Grade AISI 420 High carbon (0.28%-0.40%), Grade 420, Grade 430 BA supplied by M/s Thyssenkrupp Stainless International, Germany, Grade AISI 441 and Grade AISI 443.
- (b) Duplex Stainless Steel grades 2205 (S31803), 2304(S32304), EN 1.4835, 1.4547, 1.4539, 1.4438, 1.4318 and 1.4833 and Ferritic Grades EN 1.4509 and 1.4512.
- (c) Product supplied under Indian Patent no. 223848 in respect of goods comprising Low Nickel containing Chromium-Nickel Manganese-Copper Austenitic Stainless steel and representing Grades YU 1 and YU 4, produced and supplied by M/s Yieh United Steel Corp (Yusco) of Chinese Taipei (Taiwan).

6. The product under consideration comprised of stainless steel coil, sheets and plates of above description. The subject goods are used for manufacture of white goods, processed equipment, dairy equipment, automotive components, rail carts, metro coaches, architecture, building and construction etc.

7. The subject goods are classified under chapter 72 of the Custom Tariff Act, 1975 under the sub-heading 7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 and 7219.90. The custom classification is indicative only and not binding on the scope of the investigation.

8. The present review is for limited purpose of investigation into the need for prescribing a tolerance limit of (+50mm) against the 1250mm width restriction of the aforesaid product under consideration in the original investigation.

Submissions made by the Interested Parties

9. The exporters, importers and other interested parties have made the following submissions:

- a) The scope of a review under Rule 23 does not cover recommendation of duties on which no duties have been imposed in the first place. Hence DGAD has no jurisdiction under Rule 23 to recommend duty on products which were not covered in original investigation.
- b) It has been stated by them that under the Rules there is no provision which provides for a limited or scope or tolerances review and provide only for changed circumstances review.
- c) Scope review is limited to restriction/reduction and Law does not empower the DGAD to enlarge the scope of the product in the Mid-Term Review. Addition of tolerance would amount to product scope enhancement.
- d) Hypothetically assuming that the Hon'ble Designated Authority has indeed made an error or omission in the Final Findings as alleged by the petitioner, the same is subject to the appeal preferred by the petitioner himself before the Hon'ble CESTAT, which in fact pending for hearing.
- e) The tolerance claimed by the domestic industry is excessive and not consistent with international standards such as BS EN 10259 and ASTM and the same are to be prescribed in accordance with the standards followed by the exporters.

- f) An addition of 50 mm is an unreasonably high tolerance limit that will expand the scope of the product. Such an increase in scope not only amounts to substantial modification but would amount to an enlargement of the scope of the subject goods which should not be allowed.
- g) Globally there are widely use standards including ASTM and ISO specifying maximum width tolerance for the Cold Rolled Stainless Steel. Steel mills globally follow stringent production standards which are in consonance with the ISO and ASTM standards.
- h) BIS standards seem to be more aligned with above international standards. Thus, the petitioner's request for +50mm with tolerance is not acceptable as it is not in consonance with acceptable international standards. Not only is the tolerance limit of +50mm far in excess of international standards it also reflects an inefficient threshold.
- i) In the present petition, the petitioner have relied upon QMS and EMS ISO standards which are internal standards of the petitioner and are not to be mistaken with the adopted national standards issued by BIS.
- j) It is submitted that tolerance standards as defined by the national and international agencies should be used instead of the petitioner's unreasonable and excessive tolerance standard.
- k) In the investigations concerning stainless steel products in other countries, the maximum width or thickness is prescribed but no tolerances were prescribed.
- l) The domestic industry has incorrectly made out a case of circumvention when there is no provision in the Indian law in this regard and MTR cannot be initiated on this ground.
- m) It has been claimed by the interested parties that domestic industry has availed dual remedies in the present case before the Authority and the CESTAT.

- n) No period of Review is specified in the Initiation Notification therefore Mid Term Review cannot be initiated.
- o) The interested parties have stated that the domestic industry has claimed excessive confidentiality by keeping the product standards as per ISO:9001:2000 as confidential.
- p) The initiation of the mid-term review is not as per the Trade Notice No. 1/2010.
- q) It has also been argued that the specification of tolerances by the Designated Authority will be in violation of the WTO Agreement on Technical Barriers to Trade.

Submissions made by the domestic industry:

10. The domestic industry has made the following submissions:

- a. The contention of the interested parties that the Authority does not have power to initiate the present investigation under Rule 23 is completely ill-conceived. The Authority while prescribing the format for application of mid-term review has mentioned an illustrative list for changed circumstances and specified that the same is not limited to those factors alone and the mid-term review can be initiated for any other factor also. Further, the restrictive interpretation drawn by the exporters is not sustained in view of the fact that Rule 23 does not even specify "changed circumstances" as a ground of review but the same has been accepted in practice. The domestic industry also cited a case of Rishiroop Polymers Pvt. Ltd. Vs. Designated Authority [2006 (196) ELT 385 (SC)] and EC cases namely Council Regulation (EC) No. 2474/95 of 23 October 1995, Council Regulation (EC) No. 2380/95 of 2 October 1995, Council Regulation (EC) No. 319/2009 of 16 April 2009, Council Regulation amending Regulation (EC) No 2402/98 and 2009/C 215/06 in support of their submissions.

- b. The present review does not concern with enhancement of product scope but seeks clarification with regard to tolerances of the product under consideration. Incorporation of width tolerance does not amount to bringing in a new product under Mid-Term Review. Rather, it is a factor which has existed all along but was not incorporated in the Final Findings. Further, the interested parties have failed to place on record any jurisprudence on record which would suggest that the Authority does not have the power under Rule 23 to clarify the specifications of tolerances.
- c. With regard to tolerances, the domestic industry has stated that the Authority in its Final Findings had restricted the width up to 1250mm solely on the ground of its perceived inability of the Domestic Industry to produce sheets of wider dimensions. It is also submitted that the Authority has also verified during verification that the width of the material in some cases is even more than 1300mm. Without prejudice to the factually incorrect premise, it is submitted that if the reasoning adopted for any restriction is the production capability of the Domestic Industry, then even the tolerances ought to have been specified in the context of the standards followed by the Domestic Industry.
- d. Since it is an admitted fact that different exporters/producers follow different internal and public standards, the specification of tolerances cannot be specified taking into account such multiple standards. Once the exporters have admitted that the tolerances are a part and parcel of any technical product, it would be perfectly justifiable to specify the tolerances in the context of the specifications of the Domestic Industry. M/s Thainox as well as M/s Outokumpu Stainless have admitted that the tolerance in width of the subject goods is of (+30)mm.
- e. With regard to other cases where the maximum width prescribed, the domestic industry stated that the facts in those cases and the facts in the present case are different in as much as the maximum width in those cases were prescribed in the initiation stage itself whereas in the original investigation concerning the present case, there was no maximum width was prescribed at the time of initiation but the maximum width was restricted at the stage of final findings. Further, the

interested parties have also not produced any evidence on record that the authorities in those cases while imposing the duty do not apply the criteria of tolerances.

- f. The domestic industry stated that it never made out a case of circumvention or alleged circumvention as a ground to initiate Mid Term Review. Use of word "circumvent" has to be read in the general sense of the term and not in the technical sense particularly when there is no law defining "circumvention". Circumvention would be when the product itself is modified to avoid the duties, which is not the present case where the product which was investigated remains the same. Exporters have admitted in their written submissions that there is no change in their exported products. It is also submitted that the issues raised in this petition do not concern with the implementation issue as averred by one of the exporters. Their case is stated to clarify the specification of tolerances and not of circumvention or product enhancement.
- g. Domestic industry stated that in the present investigation there is no need to specify the POI as the investigation relates to limited aspect of clarifying the specifications of tolerances only. It may also be seen that it is the standard practice even in the EC where POI is not prescribed under similar circumstances as the same is not relevant.
- h. With regard to confidentiality, the domestic industry stated that the document certifying the product standards of the domestic industry as per ISO:9001:2000, is an internal document and contains business proprietary information the disclosure of which would be disadvantageous to the commercial interests of the domestic industry and may give competitive advantage to others. The domestic industry has therefore, claimed the same as confidential.
- i. With regard to the argument of the interested parties that the initiation of the mid-term review is not as per the Trade Notice No. 1/2010. The domestic industry stated that the Trade Notice is in the nature of guidance and issued to facilitate

the industry. However, the Trade Notice cannot be read to supersede the powers of the Authority as envisaged under the law.

- j. The argument of the exporters that the specification of tolerances by the Designated Authority will be in violation of the WTO Agreement on Technical Barriers to Trade is completely misplaced as there is no attempt to restrict the imports on the basis of the technical parameters.

Post disclosure comments of interested parties

Exporters and Importers

- a. The purpose of MTR is to assess the need of continuation or removal of anti-dumping duties. Rule 23 empowers the Authority to review the need for continuation or withdrawal of definitive duty. Therefore, initiation of MTR for a limited purpose is not justified under AD Rules.
- b. It has been the established practice of this Designated Authority in its own cases to decline expansion of the scope of the PUC in a mid-term review as in the final findings dated 19th April 2005 concerning Acrylic Fibre and final findings dated 22nd May 2009 concerning Viscose Filament Yarn.
- c. The present review seeks to enhance the scope of the PUC beyond the definition given by the Authority. This cannot be entertained in a mid-term review investigation. Such an enlargement of scope is beyond the powers as laid down under Rule 23 of AD Rules.
- d. As regards modification of the product, it is submitted that only such changes can be clarified which existed during the original proceedings. Tolerance is an enhancement of the product.

- e. The authority has not analysed any iota of evidence in its disclosure statement which empowers to enhance and also to modify the scope of the PUC.
- f. Current MTR has been filed not under changed circumstances but to correct an omission which is clearly an after-thought.
- g. There have never been any oral discussions supported by written documents to specify tolerance level on trim-edge and mill-edge. The imports are of trim-edge and data submitted by the petitioner are also of trim-edge. Therefore, if at all the Authority would recommend the tolerance level it should be restricted to trim-edge and mill-edge specifications should be dropped.
- h. Any inclusion of the tolerance level is not a clarification to the product as originally defined in the earlier investigation but a new insertion to the product scope. Therefore, any changes recommended will be prospective in nature from the date of new customs notification to be issued in pursuance of final findings of this review.
- i. It is the international practice not to provide any such tolerance limits as requested by the domestic industry. Instances cited are product from Spain (C-469 -804: USA) and Cold Rolled Steel Sheets from Argentina, Belgium etc. (4258-105 AD/ 1198: Canada)
- j. By specifying the tolerance limit the domestic industry appears to bring within the scope of PUC such product whose minimum width is above 1250mm but up to 1280mm. Tolerance should not be allowed as a backdoor way to bring in products that are not originally covered.
- k. Tolerance is for technical purposes but not for commercial purposes. The intention of the domestic industry is somehow to increase the scope of the PUC to 1280mm through this mid-term review.

- l. Rule 23 does not allow DGAD to conduct scope reviews unless a power is specifically bestowed on the Authority, it cannot be exercised by the Authority. The conclusion that the consignments of the subject goods are being imported with width marginally above the 1250mm limit thereby escaping anti-dumping duty is without any evidence.
- m. Whether DGAD have the power to clarify the product scope as appearing in the duty table is a question that has not been addressed in the disclosure statement.

Comments of Domestic Industry

- a. There is no need to prescribe separate tolerances for the width ranging between 600mm-1000mm. The said widths even after including the tolerances would remain as part of the subject goods.
- b. The Authority may prescribe tolerances without making any classification into mill-edge and trim-edge as there may be mis-declaration of the mill-edge material as trim-edge by the importers and it may not be possible for the custom authorities to physically check and verify the material in each consignment given the acute congestion on the ports.
- c. With regard to extent of tolerances, the same may not be specified taking into account any one or more international standards. The same ought to have been specified considering the specifications of the domestic industry.

Examination by the Authority

11. The Authority has taken note of the submissions, arguments and the evidence provided by the domestic industry, exporters and other interested parties including those placed on record post disclosure. The issues raised therein have been examined as under:-

- a. The Authority notes that the domestic industry in its application dated 11th June 2010 requested for the initiation of limited mid-term review for specification of width tolerances in the Product under Consideration so that the product is defined more accurately.
- b. The product under consideration in the initiation notification of the original investigation was defined as 'Cold-rolled Flat products of ~~stainless~~ steel of the width of 600 mm or more of all series further worked then Cold rolled (cold reduced)'.
- c. The product under consideration in the final findings of the original investigation was defined as 'Cold-rolled Flat products of stainless steel of the width of 600 mm upto 1250mm of all series further worked then Cold rolled (cold reduced) with a thickness of up to 4mm'. The Authority also excluded certain grades / types stated above from the purview of the product under consideration.
- d. The basic ground for seeking a mid-term review by the domestic industry was that in the absence of specification of tolerances even the widths upto 1250mm escape duty as imported widths including the tolerances may marginally exceed the cut-off point. The domestic industry therefore, by way of present review application, requested for specification of tolerances (+50mm) in the product under consideration.
- e. The interested parties have argued that there is no provision under the Indian law which provides for a limited or scope or tolerances review. According to them, Rule 23 provides only for changed circumstances review and that the provisions of this Rule are not wide enough to cover the present review. The Authority notes that it is an undisputed position that the powers of Rule 23 prescribe for the changed circumstances review even when the same is not specifically mentioned in the Rule. None of the interested parties has denied that changed circumstances review is permissible under the said Rule. The Authority also notes that there is no indication in Rule 23 which suggests that the powers of the Designated Authority under Rule 23 need to be read in a restrictive or limited manner. In other words, an MTR can be initiated on the basis of any relevant factor depending upon the facts and circumstances of each case.

- f. The Authority also notes the argument of the Domestic Industry that the investigations concerning "change in name" of the cooperating exporters has also been carried out under Rule 23 and no interested party has ever denied or questioned the legality of such investigations. If Rule 23 is read in a restricted sense, as is being proposed by the exporters, there will be many situations where the genuine issues will be rendered remedy-less. In any case, the Hon'ble Supreme Court in the case of *Rishiroop Polymers Private Limited Vs. Designated Authority* [2006 (196) ELT 385 (SC)] has not suggested that the powers of the Designated Authority are restricted in terms of Rule 23.
- g. With regard to present case being a circumvention case as alleged by the interested parties, the Authority finds that the domestic industry used the word "circumvent" in its application in the general sense and not in the technical sense particularly when there is no law defining circumvention in the country. It is noted that the circumvention in a technical sense would occur when the product itself is partially or marginally modified to avoid the duties, which is clearly not the present case where the product which was investigated remains the same.
- h. The Authority notes that the interested parties have stated that scope review is limited to restriction/reduction and cannot be read as enhancement of scope. The Authority notes that the present review is not for enhancement of product scope but is for clarification with regard to prescribing tolerances in respect of width of the product under consideration and no addition of new product has been requested. The Authority is of the view that the incorporation of width tolerance does not amount to bringing in a new product under Mid-Term Review nor does it involve any enhancement of product scope.
- i. The review only aims to clarify the specification of the product under consideration.
- j. As regards the submissions that there is no oral discussion or written submissions ever to specify tolerance level on trim-edge or mill-edge, the

Authority has followed the said classification as per ISO tolerance standard which the Authority considers as the most credible of international standards.

- k. As regards, the submission that there is no international practice to provide for tolerance limit, the Authority notes that there are also instances where tolerance limit has been prescribed as in the case of Audio Tapes in Cassettes from Japan, Korea and Hong Kong, OJ(1990) L313/5. In any case, the Authority holds that an MTR exercise is specific to the circumstances of a case. The Authority also reiterate the specification of width tolerance is only against the existing product and therefore, does not bring in a new product nor does it enhance the scope of PUC.

Conclusion and Recommendation

12. The Authority considers that the product under consideration in this case, by its very nature, cannot be produced to its exact dimension and needs tolerance. Further it is found that consignments of the subject goods are being imported with width marginally above the 1250mm limit, thereby escaping anti dumping duty. In the aforesaid circumstances, the Authority is of the view that the domestic industry requires relief in the form of width tolerance against the existing product to be specified in the duty table. Therefore, the Authority finds it necessary to clarify the product in the duty table of the original Final Findings by specifying the tolerance level for the width of the product differently for mill-edge and trim-edge.

13. With regard to extent of tolerance, the Authority notes that the subject goods as produced on the mill does not conform to any definite contour and will have edge imperfections like chapped, thin and damaged edges. Therefore, widths are never exactly the same as 1250mm but are invariably produced in higher widths. It is also noted that the parties to the investigation have disputed the extent of tolerance requested by the domestic industry/petitioner. Different exporters have indicated different tolerance levels according to different international/national standards.

14. Further, with regard to tolerances of (+50)mm, requested by the petitioner, the interested parties have argued that the tolerance claimed by the domestic industry is

excessive and not consistent with the industry standards and the same are to be prescribed in accordance with the international standards.

15. The Authority has noted the international standards such as ASTM A480/A480M-10, ISO 9445-2: 2009(E) and BS EN10259. The width tolerance level under said standards is mentioned as under:-

i) ASTM A480/A480M-10:

Under this standard, width tolerance level is +4.0mm for specified width of 600 mm to 1250 mm.

ii) ISO 9445-2: 2009 (E)

	Width tolerance for specified Width Range of $600 \text{ mm} \leq w < 1000 \text{ mm}$	Width tolerance for specified Width Range of $1000 \text{ mm} \leq w \leq 2100 \text{ mm}$
Mill-edge products	+ 25 mm	+ 30 mm
Trimmed-edge products	+4.0 mm	+4.0 mm

iii) BS EN10259 (British Stainless Steel Association):

Under this standard, normal width tolerance is +4.0mm for a nominal width of 600 mm to 1250 mm.

The Authority had consulted the concerned administrative Ministry, namely, Ministry of Steel in the matter and gathered information regarding width tolerance in CR Stainless Steel Flat products which is based on the inputs received from Steel Authority of India Limited, which is also a producer of the subject goods. The tolerance levels reported by the Ministry of Steel are found to match with the ISO standards.

16. In view of above, the Authority considers tolerance levels in respect of the width of the product under consideration as per the ISO standard and accordingly adopts the same in respect of the product covered in the duty table in final findings No.14/6/2008-DGAD dated 24th November, 2009 and also in the Ministry of Finance Notification No.14/2010-Customs dated 20th February, 2010. Accordingly, the Authority recommends the following width tolerance level in respect of the product mentioned in the duty table

in the notification No.14/6/2008-DGAD dated 24th November, 2009 and Customs Notification No.14/2010-Customs dated 20th February, 2010:-

Mill Edge

Width tolerance for specified Width Range of 1000 mm $\leq w \leq 1250\text{mm}$
(+) 30 mm

Trim Edge

Width tolerance for specified Width Range of 1000 mm $< w \leq 1250\text{mm}$
(+) 4 mm

17. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority